



# नागराज और जादू का शहंशाह



मुफ्त  
नागराज का एक पोस्टर





# नागराज और जादू का शहंशाह



लेखक : तरुण कुमार वाही चित्रांकन : प्रताप मुर्लीक

संपादन : मनीष चंद्र गुप्त

विश्व के कई आश्चर्यों में से एक इजिप्ट के पिरामिड व स्फिंक्स

पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण !

पोलीशिन से निर्मित स्फिंक्स की प्रतिकृति 55 फुट का बैलून जो असली स्फिंक्स के ऊपर उड़ाया गया।



जिस पर पड़ीं कई बुरी निगाहें -



इस बैलून पर हमारा कब्जा है।

पर पुलिस के रहते क्या ये सम्भव था ?



धाँध धाँध



हैण्ड्स अप

पुलिस !

आज तो बुरे फंसे स्फिंक्स के चक्कर में।









बूमलका के रिवॉल्वर की नास घुमी रईस की ओर!



लेकिन गोली नहीं चली। चला जादू-















...उस हजार साल!  
खुद को बताता है पिरामिडों से  
निकला फराहो राजा  
तूतेन स्वामेन! हुअं!



ओह!

आह!

दूसरे ही पल चौंका नागराज —



अरे!

सबकी नागिन में बदलकर नागराज के ओवरकोट की जेब में रेंग गई —



इच्छाधारी नागिन  
थी ये तो! लेकिन ये  
इतनी घबराई हुई  
क्यों थी!

कारण जल्द ही नागराज के सामने था —



कहाँ गई?

इससे  
टकराते हुए  
देखा था मैंने

हिच्य!

बदकिस्मती उन चारों की, कि वे ओवरकोट में होने के कारण  
उसे पहचान नहीं पाये जिसकी उन्हें तलाश थी।

इसके कपड़ों की  
तलाशी लो!

११

हिलना मत!

हिच्य





नागराज नहीं हिला! हिले तलाशी लेने वाले !



क्यों बच्चो!  
तलाशी नहीं  
लोगो मेरी !

गोली मार  
दो इसे !

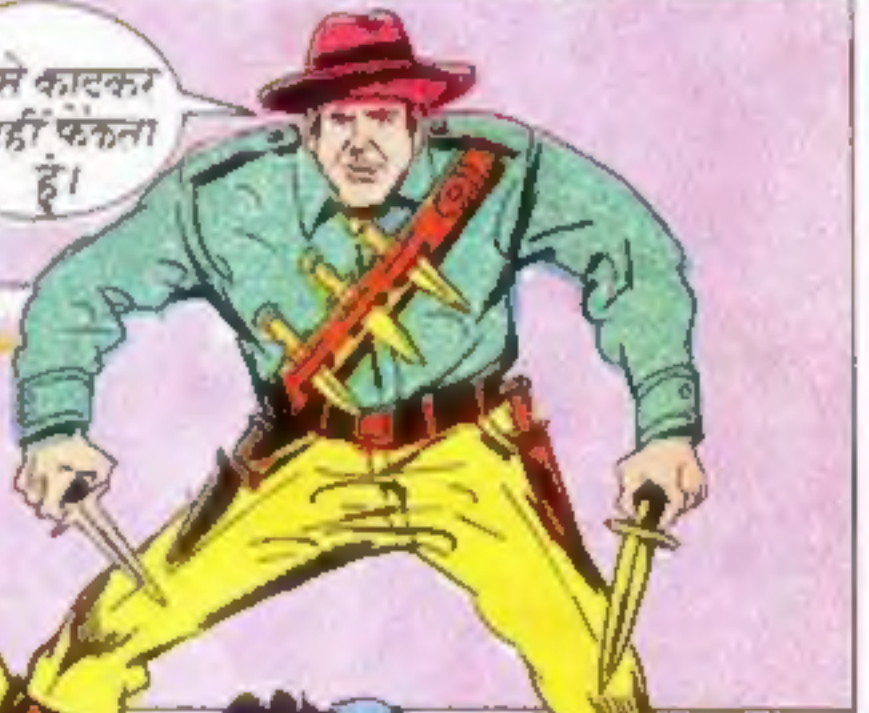


बचाओ!  
मुझे इस लेगा  
ये, हिच

नागराज गोली से पहले पहुंचा —



इसे काटकर  
यहीं फेंकता  
हूं।



रैंडिकैटो का हाथ घूमा —



और फोलाद से  
भी मजबूत हैं ये  
हाथ !





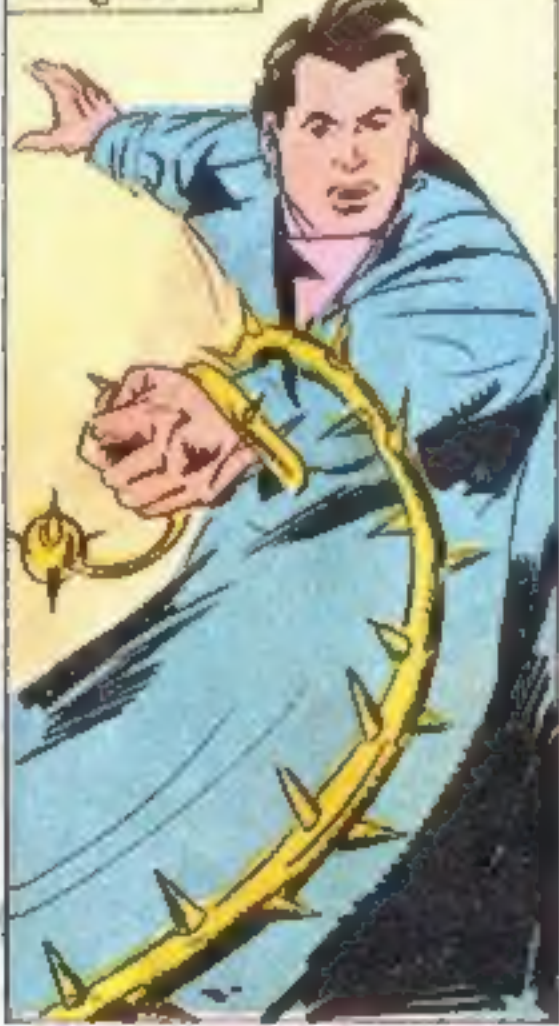
रैलीकैटों ने निकल लिये अपना विशेष हथियार हण्टर।



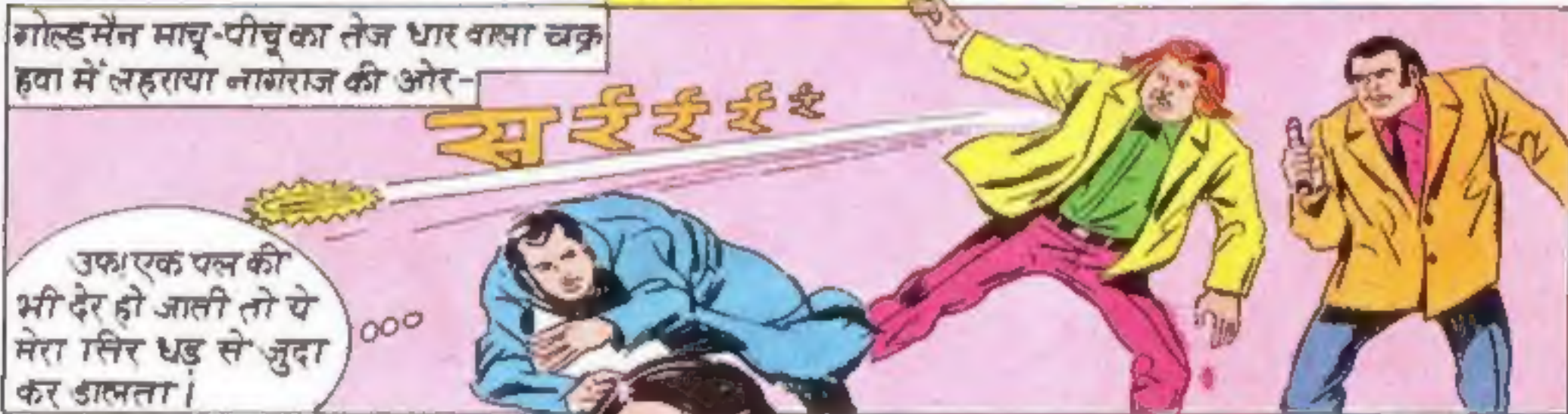
रावरी सम्राट हम्बराबी, गोल्डमैन माथू पीथू और इंकन बीन्गा देख रहे थे वह तमाशा —



डुधर नागराज की कलाई से लिपट गया हण्टर —









न केवल बेचा, बल्कि—

ध्वाड़!



ये तो मेरा  
नगा ही उतारे  
दे रहे हैं।



इकन डी-गा। इकन-स्टाडन का  
माहिर—  
इकन डी-गा  
के स्टाडन से नहीं  
जीन पायेगा न।



डागरी की तरह झूमते हुए  
इकन डी-गा एकएक  
बहुतड़ाया —



और घुमी उमकी भान —



रवन्नाक  
इकन स्टाडन से  
भेड़ेगा यं।



इकन डी-गा पुनः लहराया डागरी की तरह—



झूम बगाबर  
झूम डागरी...  
हिच्य!



लेकिन इस बार नागराज खुद भी अड़खड़ा रहा था काराबी की तरह —

इंकन डी-गा के लिए नागराज का वह वार असहनीय हो गया —



चारों को कुछ ही पलों में धरातलीय कर दिया!

ये हैं कौन?

मैं तो नंगा ही बना गया। बहुतों और बॉम्बर भी ग्वाली हैं।

!!

नागराज ने उन सब को बांधा और —

सब चारों का पुलिस स्टेशन बांध कर भेजूंगा पुलिस स्टेशन।



और सभी चमत्कृत रह गया नागराज!

नायब!



खोपड़ी घुम गई उसकी —

जादू था कुछ और!

कल्प 'अरव' में पड़ा था तो यकीन नहीं हुआ था, अब हो गया!





अभी आपने कुछ कहा था मिस्टर

हो, शहर में खूबतली मछी है।  
इशकबू तक से गायब हो  
गए अपराधी और आज  
फिर ---

तब -

इस बात में अब डप ही  
कॉर्ड रहस्य है। कहीं दोतान  
तुनेन स्वामेन ही तो यह सब  
नहीं कर रहा है।

और वह  
इच्छाधारी नागिन  
कैम है ? मुझे इसका  
पता लगाना होगा।

नागराज के लिए वह जानकारी खोजने वाली थी।

अपराधियों का मर्सीहा -- तुनेन स्वामेन। एक आम धारणा  
थी कि यह अदृश्य मानव था। खुद वह अपनी उम्र हजार  
साल बताता है। खुद को कहता है पिरामिडों से निकला फराहो राजा तुनेन स्वामेन।

वोट  
तुनेन स्वामेन

पिरामिडों का फराहो राजा  
तुनेन स्वामेन ?

यह यहां क्या  
कर रहा है ?

आह ! अब मछी  
में आ रही है मुझे अपने  
गायब होने की कहानी

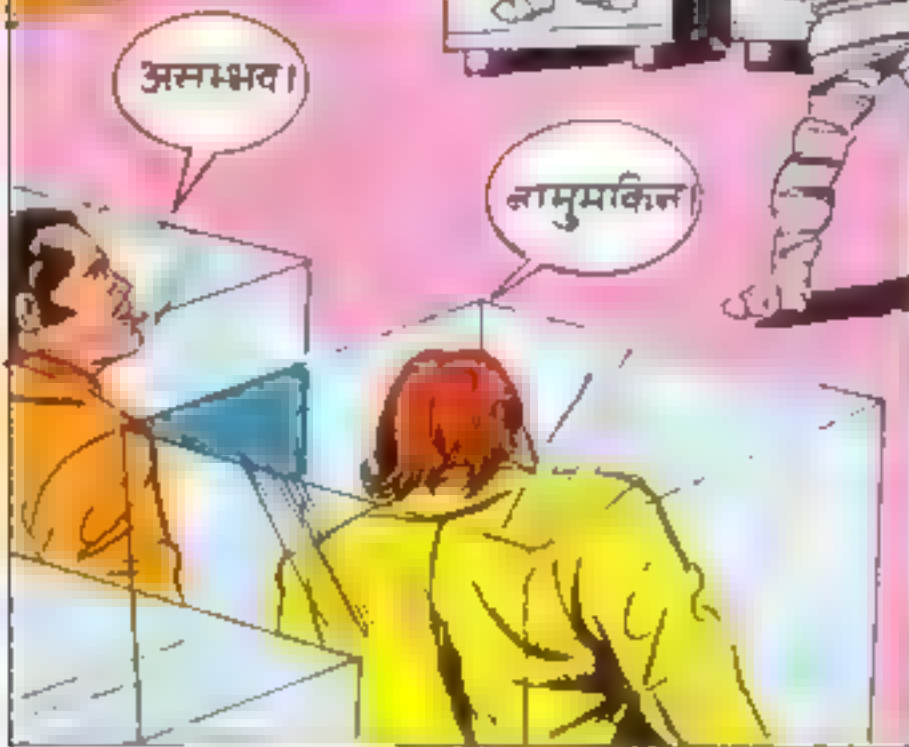
तुनेन स्वामेन के दरबार में  
आपका स्वागत है मित्र !







क्या आपने कभी कन्यता की हे कि  
सैकड़ों वर्ग युगनी ममियां जीवित  
भी हो सकती हैं ?



शेड नूतन स्वामिन ने लगाया एक  
गवौकनाक अदृष्टदाम जो चेष्टर्म में  
केंद्र सभी कैदियों को गंद नक  
में सनमनी मचा गया —

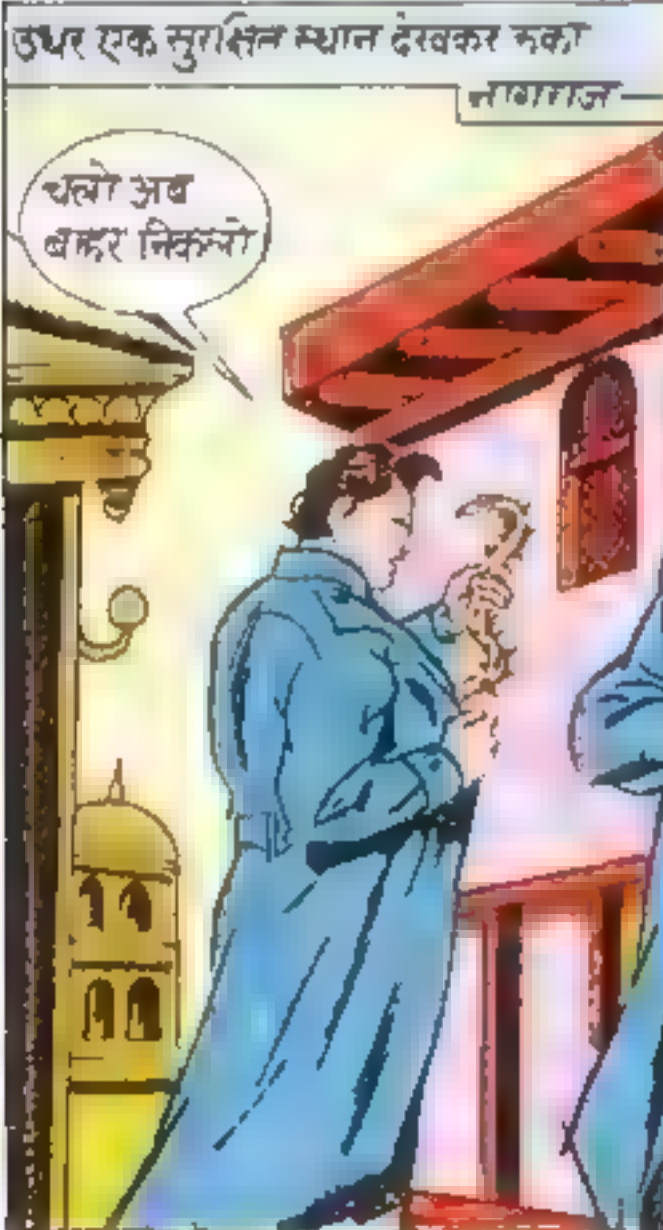




हा हा हा हा हा और नव  
होगा सिर्फ छेद तुतेन खामेन  
का साम्राज्य।



उधर एक सुरक्षित स्थान देखकर रुका  
नागराज—



ओवरकोट उनाकर  
नागराज आ गया अपने  
असली रूप में—



अभी तो  
नागराज।



अब बताओ कि तुम कौन हो  
और वे बदमाश तुम्हारे पीछे  
क्यों लगे थे?



वे मेरे पीछे  
नहीं नागराज,  
बल्कि तुम्हारे पीछे  
लगे हैं।



मेरा नाम मोंडोर्गी  
है नागराज। पिगमिडों के  
नीचे बनी हजारों हजार रहस्य-  
मय गुफाएं मेरा निवास हैं।





अक्सर इन गुफाओं में अबका मैं मानवीय धारण कर डहर की सकारांश में रमने का प्रयत्न करती हूँ।



अपने इसी दुःसाहस के कारण आज मैं संकट में फँस गई।

न जाने कब उस सपने ने मुझ पर जादू का दिया—



आह!



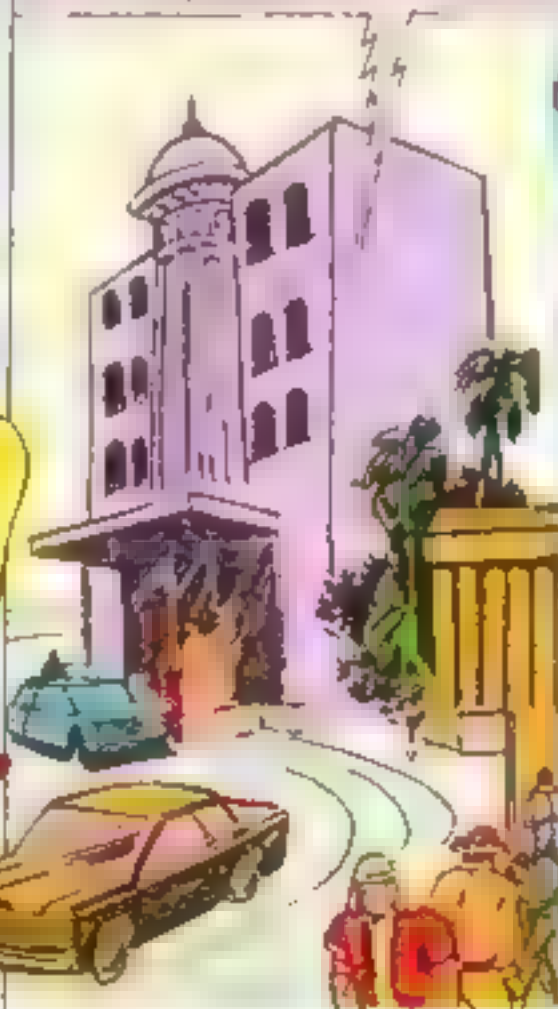
मैं उसके चंगुल में फँस गई—

कई दिनों में था किसी इच्छाधारी नारा या नागिन की तलाश में।

तुझें बेचकर दो लाख के माऊंगा

सपने ने मुझे उन लोगों तक पहुँचा दिया।

मुना है इच्छाधारी नारा अथवा नागिन दुनिया के किसी कोने में भी नागराज से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

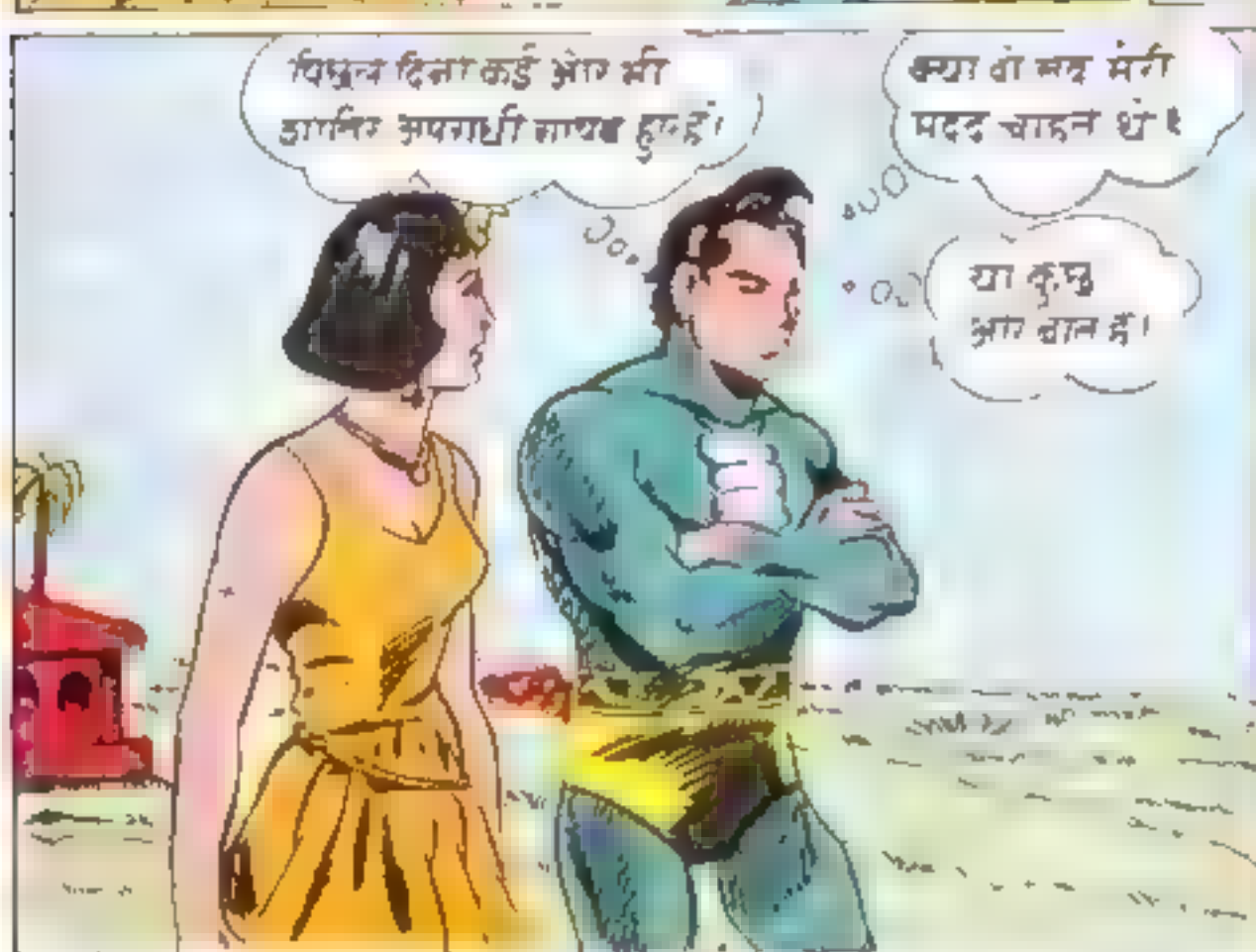
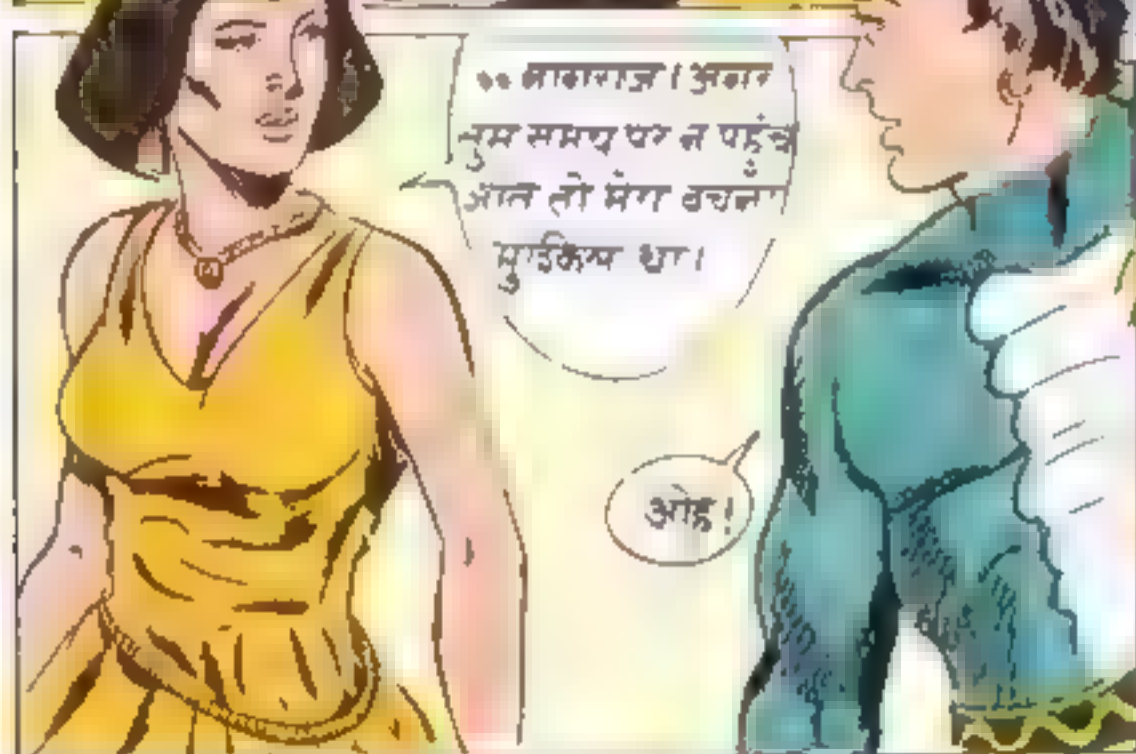


ये नागिन अब हमें यहूनाएनी नागराज तक।

मुना है बड़ी कटीवी है ये नागिन हिच्य!









क्या तुम लूतेन स्वामेन नाम के किसी झोतान को जानती हो, जो खुद को पिरामिडों से निकला फलहो राजा कहता है ?

क्या तुम जानती हो उसे सौडागी ?

नहीं, लेकिन मैं तुम्हें वहाँ तक पहुंचा अवश्य सकती हूँ...

ग्रेट लूतेन स्वामेन !

... ग्रेट लूतेन स्वामेन का रहस्यमय संसार इन्हीं पिरामिडों के नीचे निर्मित है नागराज !

तब-

तुम्हें एक बार फिर मेरे जिस्म को अपना निवास स्थान बनाना होगा सौडागी !

... क्योंकि इस रूप में अगर तुम मेरे साथ रही तो शापद में अपना काम निर्विघ्न पूरा ना कर सकोगा !

ओह !

नागराज के शरीर में वास करने वाले सैकड़ों हजारों साँपों की संख्या में एक ओर नाम जुड़ गया...

ग्रेट लूतेन स्वामेन का दरबार -

अब मैं तुम सब की आत्माओं को मारियों में प्रविष्ट कराऊंगा !

... सौडागी का !



जादू के उस शहशाह ने न जाने क्या किया कि —



माधू-पीधू की आत्मा समा गई एक समी में —



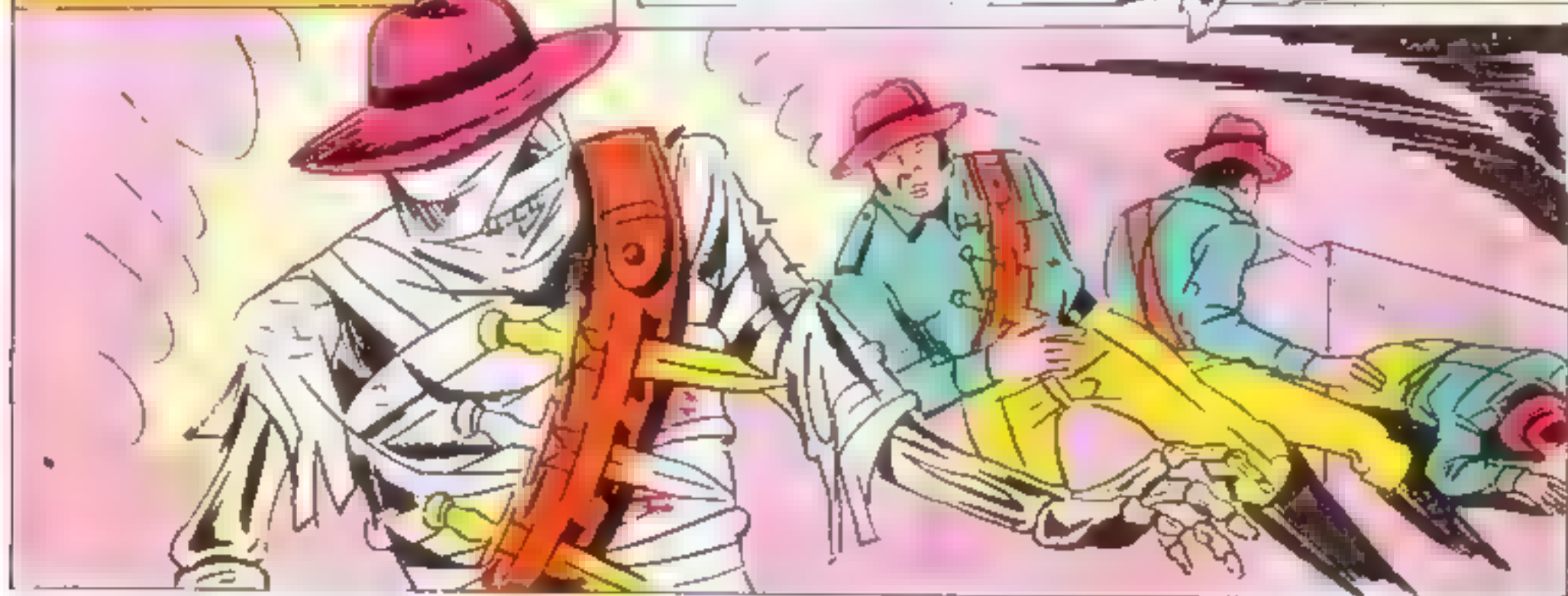
समी अब बन गई शोला में  
माधू-पीधू —



रौखरी सम्राट हम्बू गयी —



पंडोवर कानिअ रेंदोकेटो —





इस मशरूफ़ ड्रंकन डी-गा —

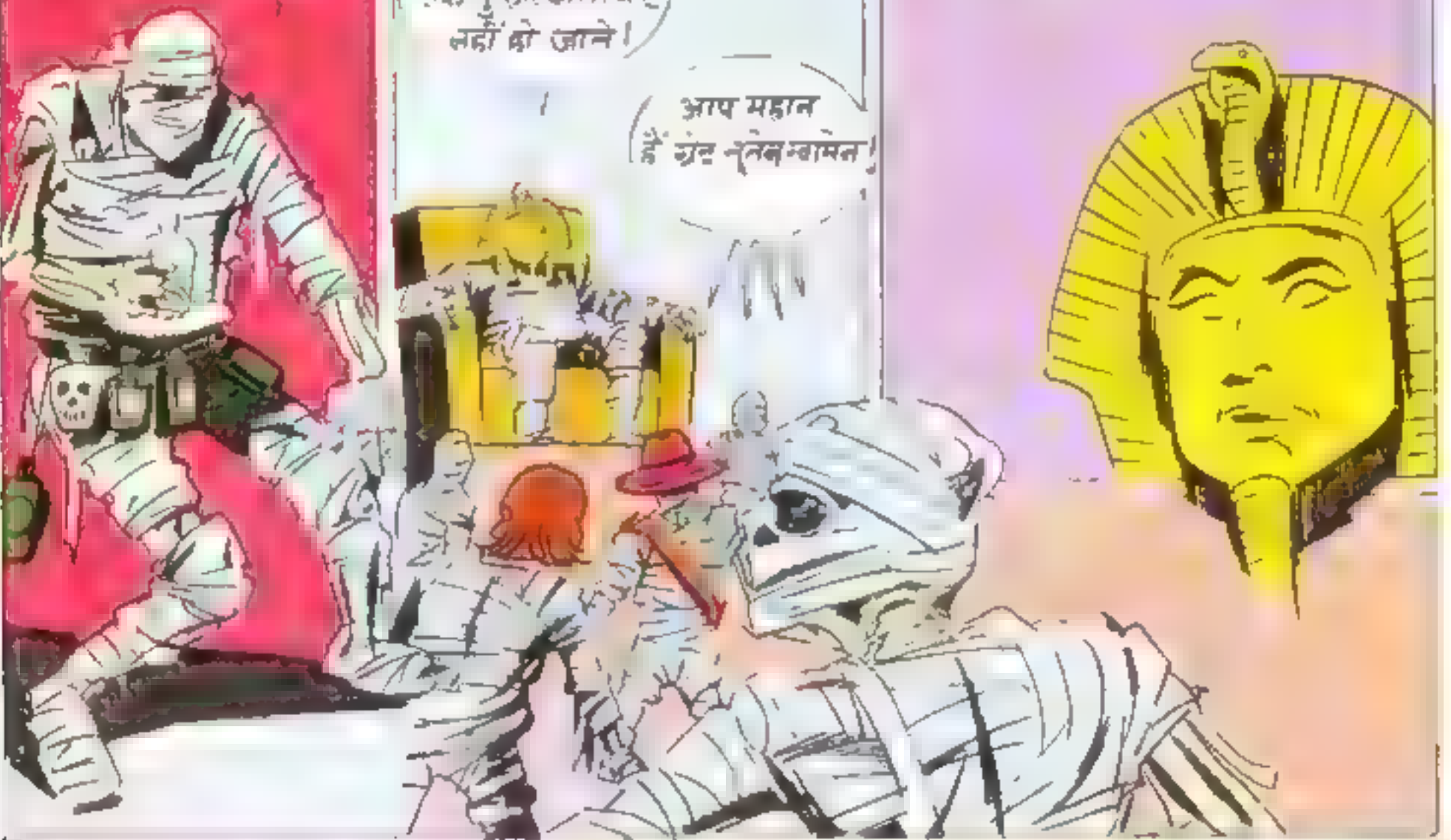
हिच!

ग्रेट नूनेन स्वामिन मुस्कग उठा अपनी कामयाबी पर —

अब नुपतब  
नक जीवित हों, अब  
नक नुम्हारे आरि नष्ट  
नहीं हो जाने!

आप महान  
हैं ग्रेट नूनेन स्वामिन!

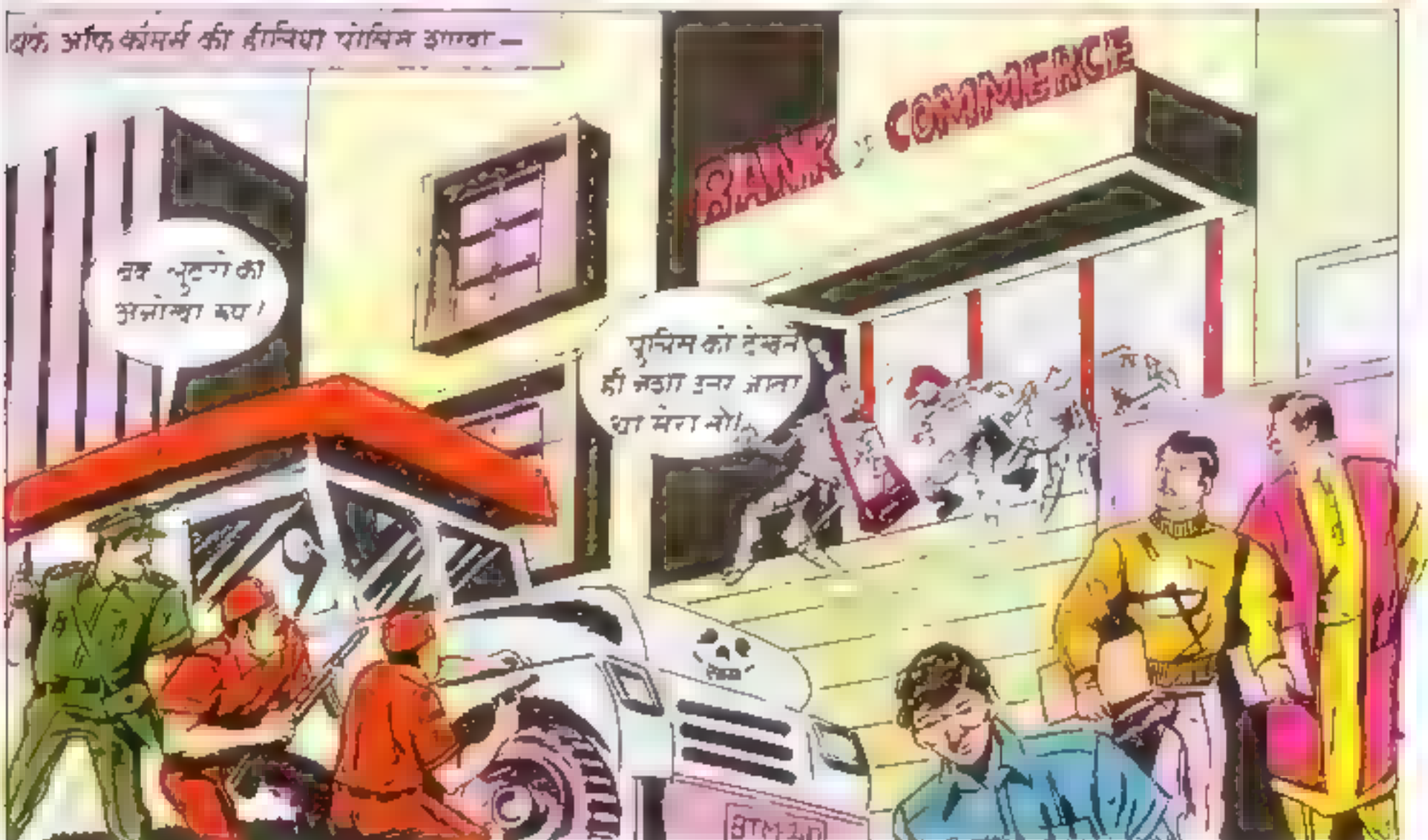
आज मैं दुनिया को दिवाड़ा एक महान आश्चर्य!  
बिना के आज विष्व के मानों आश्चर्य भी हो  
आपेंगे बोन माघिन!



बैंक ऑफ़ कॉमर्स की इन्विषा रोमिस डायरा —

बद भूतों का  
अनोखा रूप!

पुलिस को देखने  
ही नडा उना जाला  
धा मेरा मो!





लेकिन आज ...  
हिचक ! नशा खद रहा है  
और ज्यादा ! हिचक !

आश्चर्य से मुंह बाए खड़े पुलिस  
ऑफिसर के मुंह में घुम गई एक  
डोनाल मकखी ! जिसे धुकका  
चीख पड़ा वो —

कई गोबियां उन अनोखे लुटेरों के अनोखे जिम्मों से  
टकराईं —



वे फिर भी खद खद जाए —

गोबियां  
का असर  
नहीं !

गोबियां खरी पर  
खून की एक बूंद तक  
न बहरी !

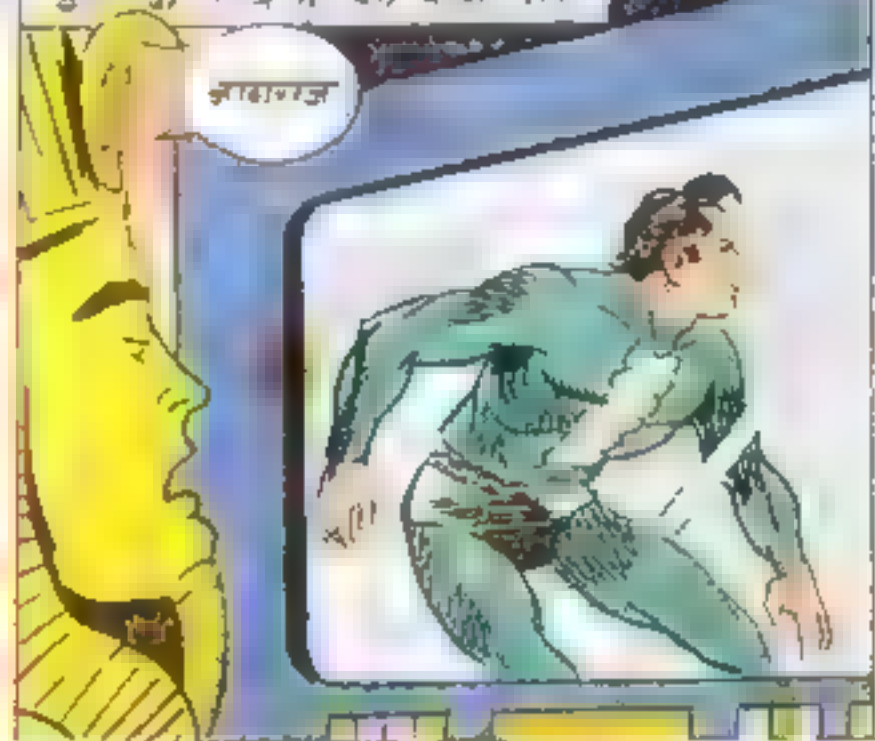
मरकार ने इमनकारी  
गोबियां ही दूरे इ जायद !

नैन-खामेन ने देखा वह एक एक हउय

घेत नैन खामेन  
के नैन नपक अयनी  
यहनी जील दर्ज करके  
लैट रहे हैं !

हुम्मी के भाष्य ही खद चौका भी !

जादूगज







नागराज  
यहां !

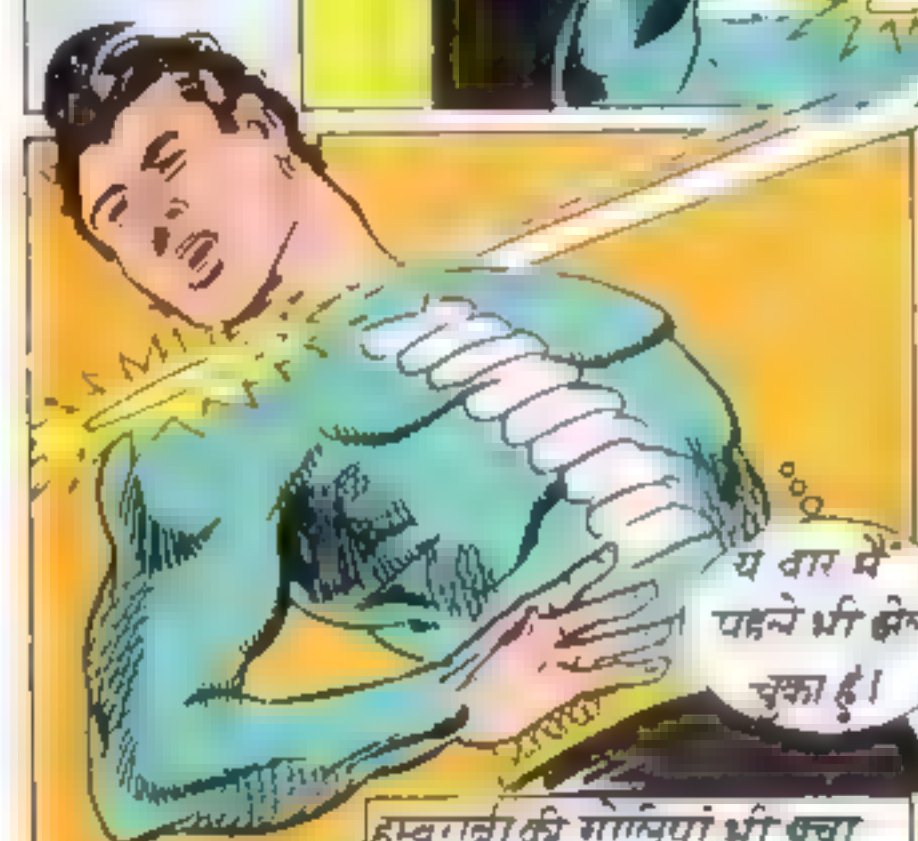
पुलिस में नो क्व  
निकल नुम सब । अब  
मुझमें क्वो !

नागराज !

ये जगें कुछ  
जाने-पहचाने में  
स्वी-भग रहे हैं ?

गोल्ड में मायू-पीयू की फंकी साक्षात  
मोन हवा में सनसनाई —

धिधुरीवार ने  
क्व गणा था मेर कल में  
अब नहीं क्वेगा नू !



य वार में  
पहने भी क्वे  
चका हू !



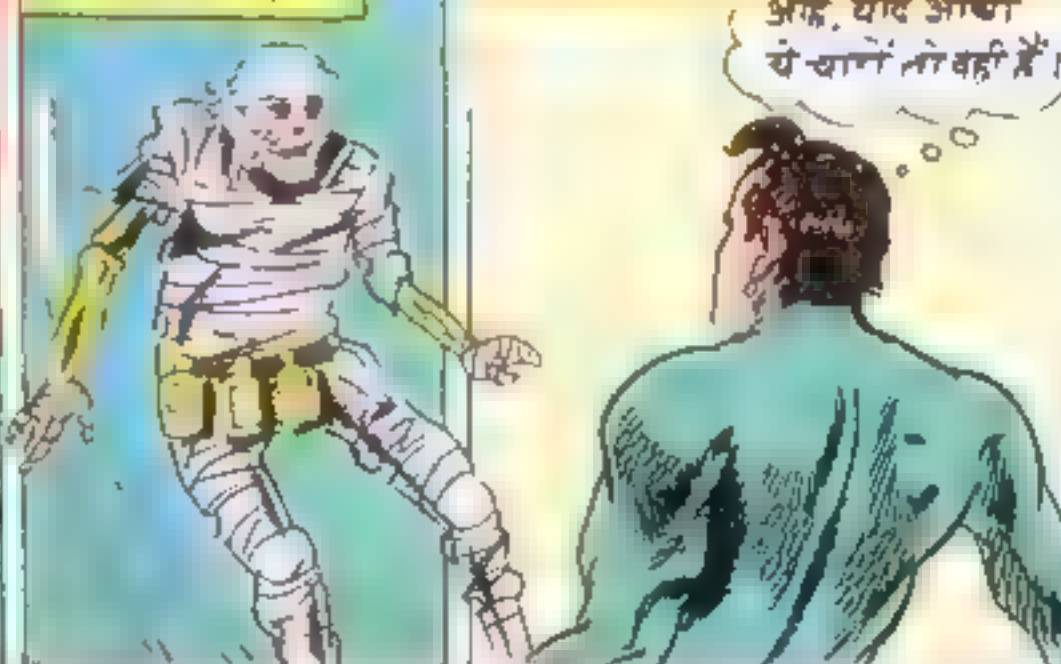
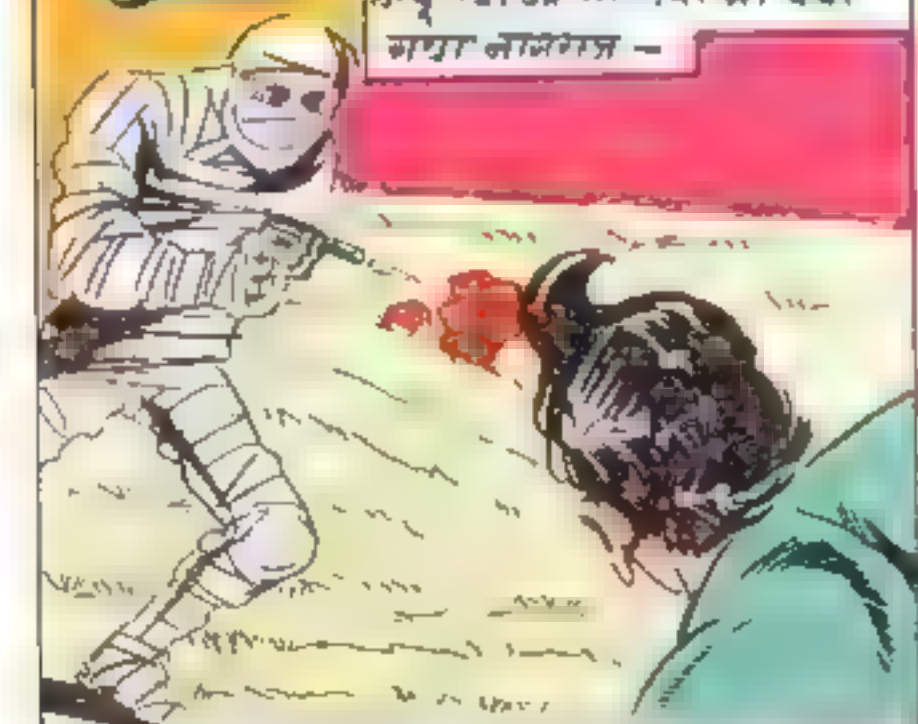
रेटो केटो के कई खंजर एक साथ लपके नागराज की ओर —

हमूगवा की गोमियां भी क्व  
गणा नागराज —

इकन डु-मा लड़खड़ाया  
अगली की तरफ —

ओर पहचान गया नागराज उस सबको —

आह, याद आया  
ये-जगें तो वही हैं !







भला इस रूप में,  
चक्कर क्या है?



लेकिन यहाँ उनसे  
निवृत्त हो न



मेरा एक ही घुंसे में बिन  
'पिता' शत्रु की नदर धमकेगा  
ये। निश्चय!

सागराज ने जल्द ही -



जाया है, उनका  
हम सब में जोड़ना  
गन्धमय है।

और अब तक चारों भाग्य ही गए

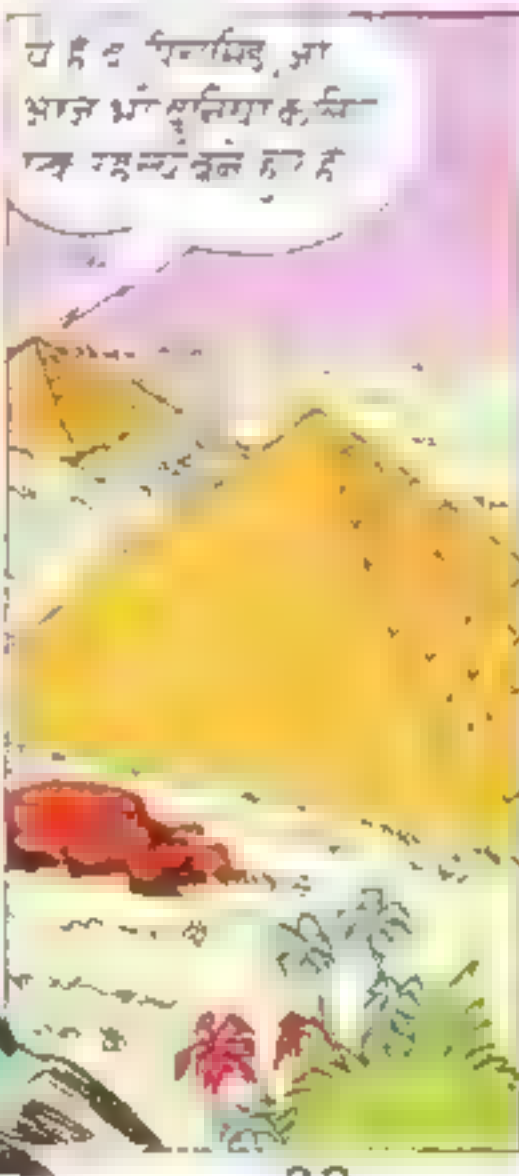


फलस्वरूप सागराज एक ही एक, पेट से -



कुछ ही देर बाद,  
साधारण मनसूरी -

सागराज! इस  
समय हम पिनामिडा के  
'पाम' मानते हैं



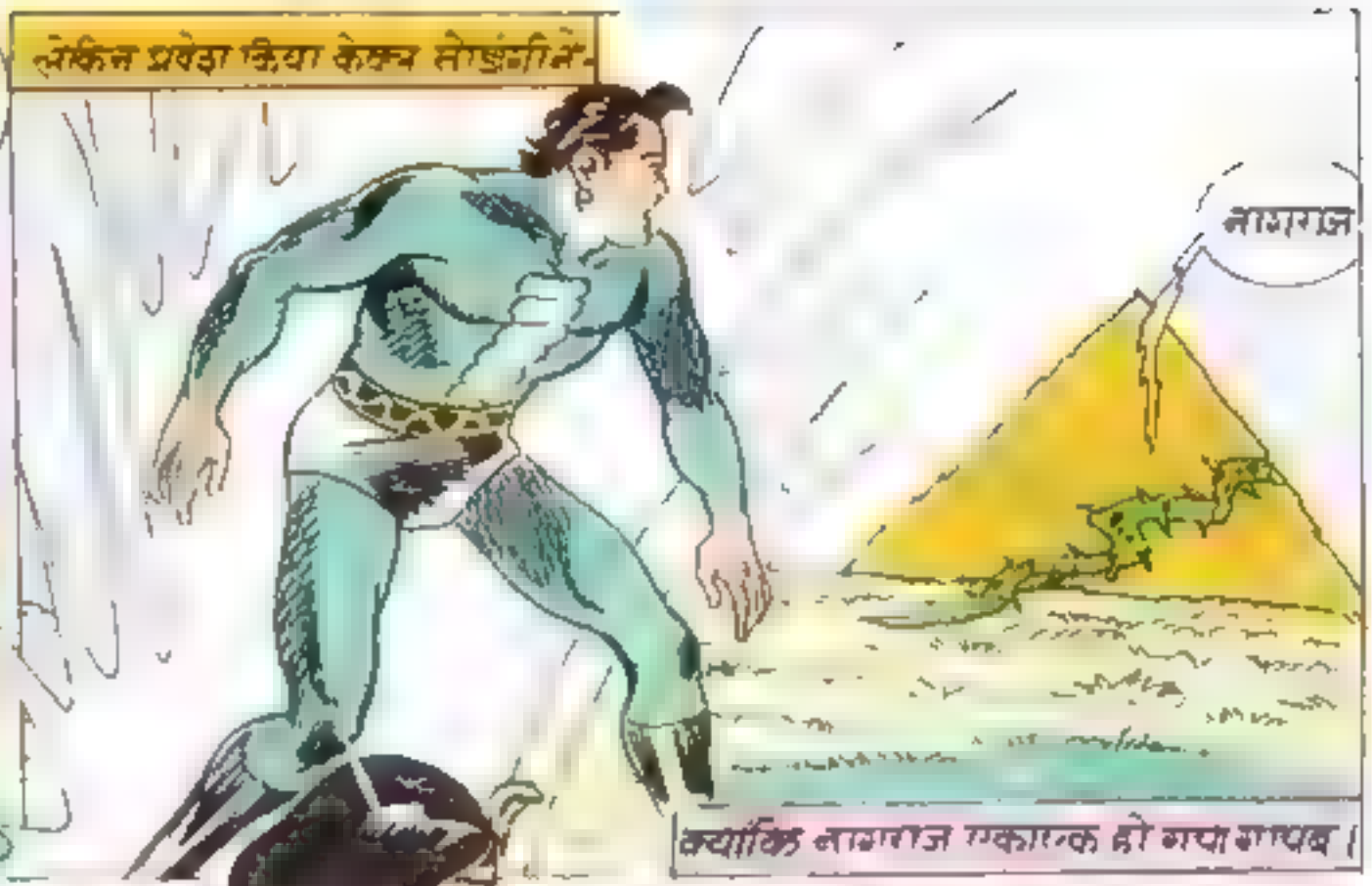
यह है पिनामिडा, जो  
आज भी दुनिया के, पिनामिडा  
रहने वाले हैं



...आज भी पिनामिडा  
वला हुआ है नूनन खामन

न ज्ञान इतना पिनामिडा -  
मिडों में क्या क्या पिनामिडा  
चका रहा है?





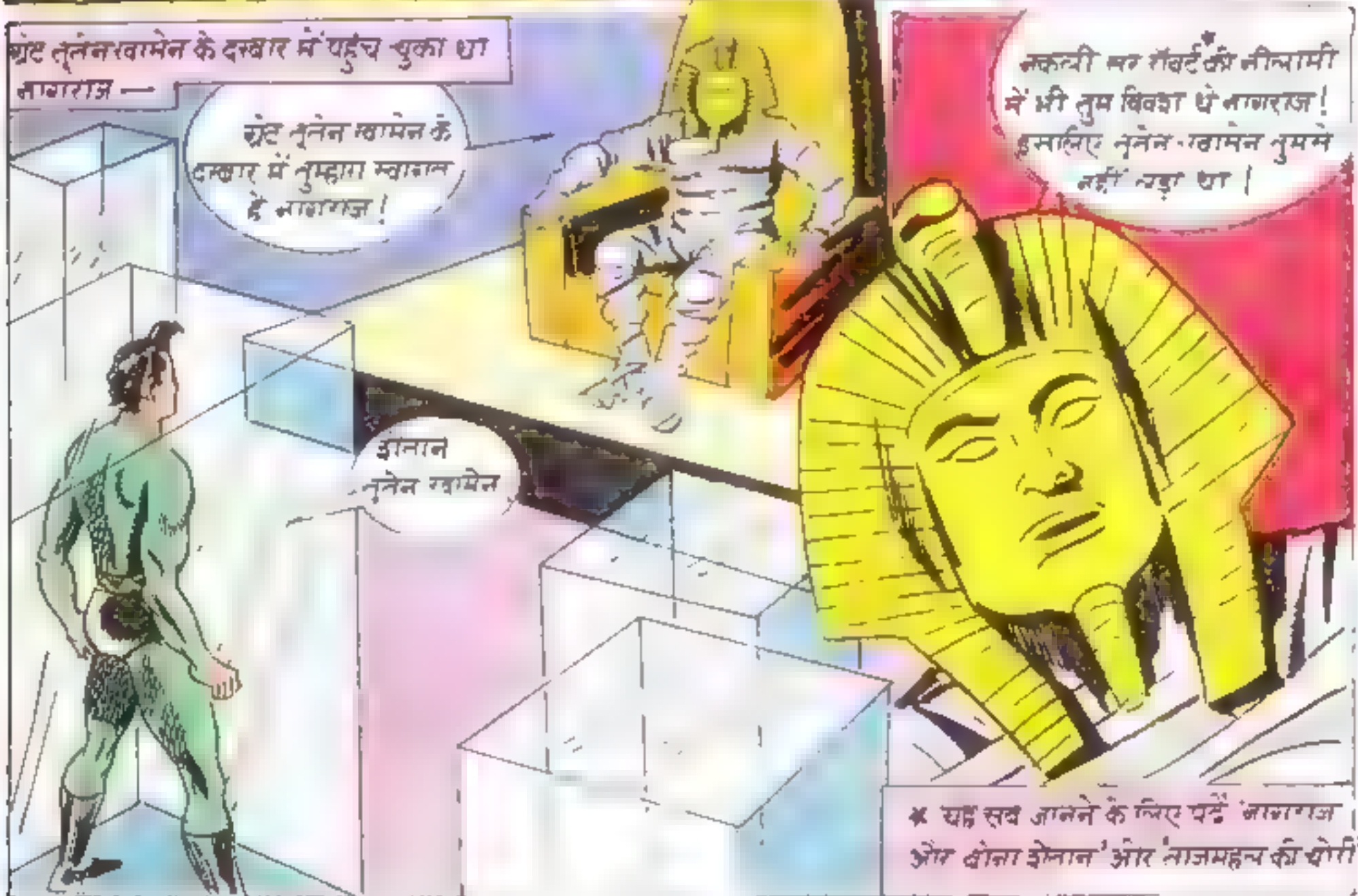
लेकिन प्रवेश किया केवल सोझीने

नागराज

क्योंकि नागराज गकारक हो गया था।



नागराज!  
कहाँ हो तुम?



शेंट तुनेन खामेन के दरबार में पहुँच चुका था  
नागराज —

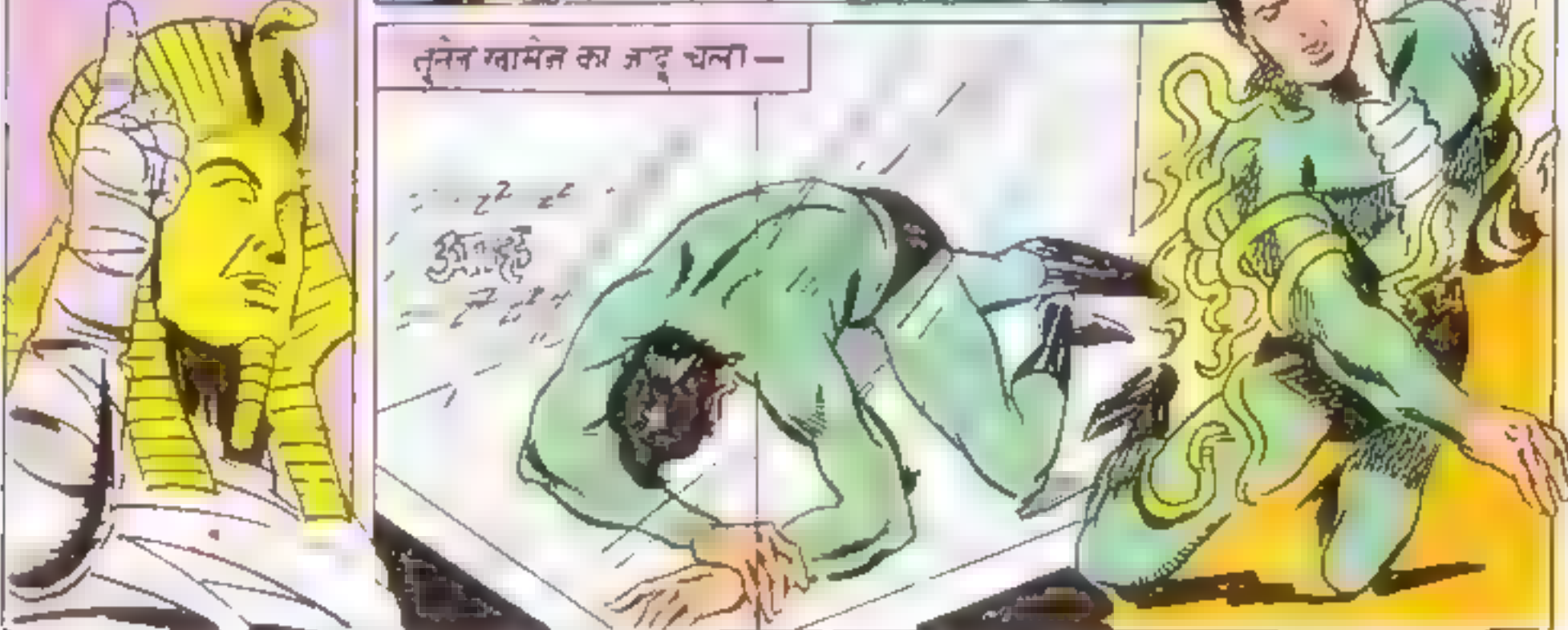
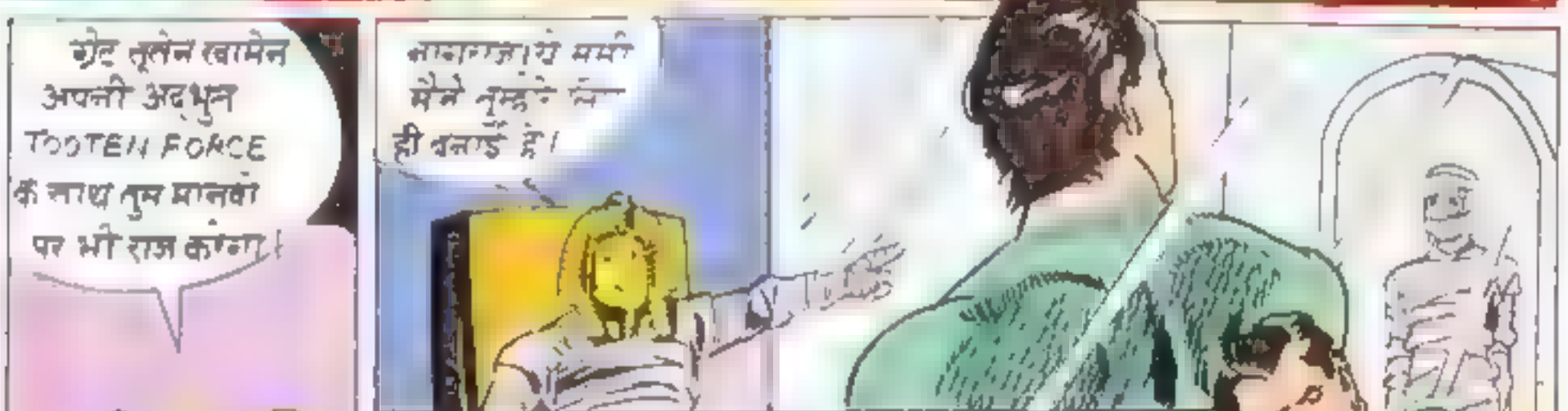
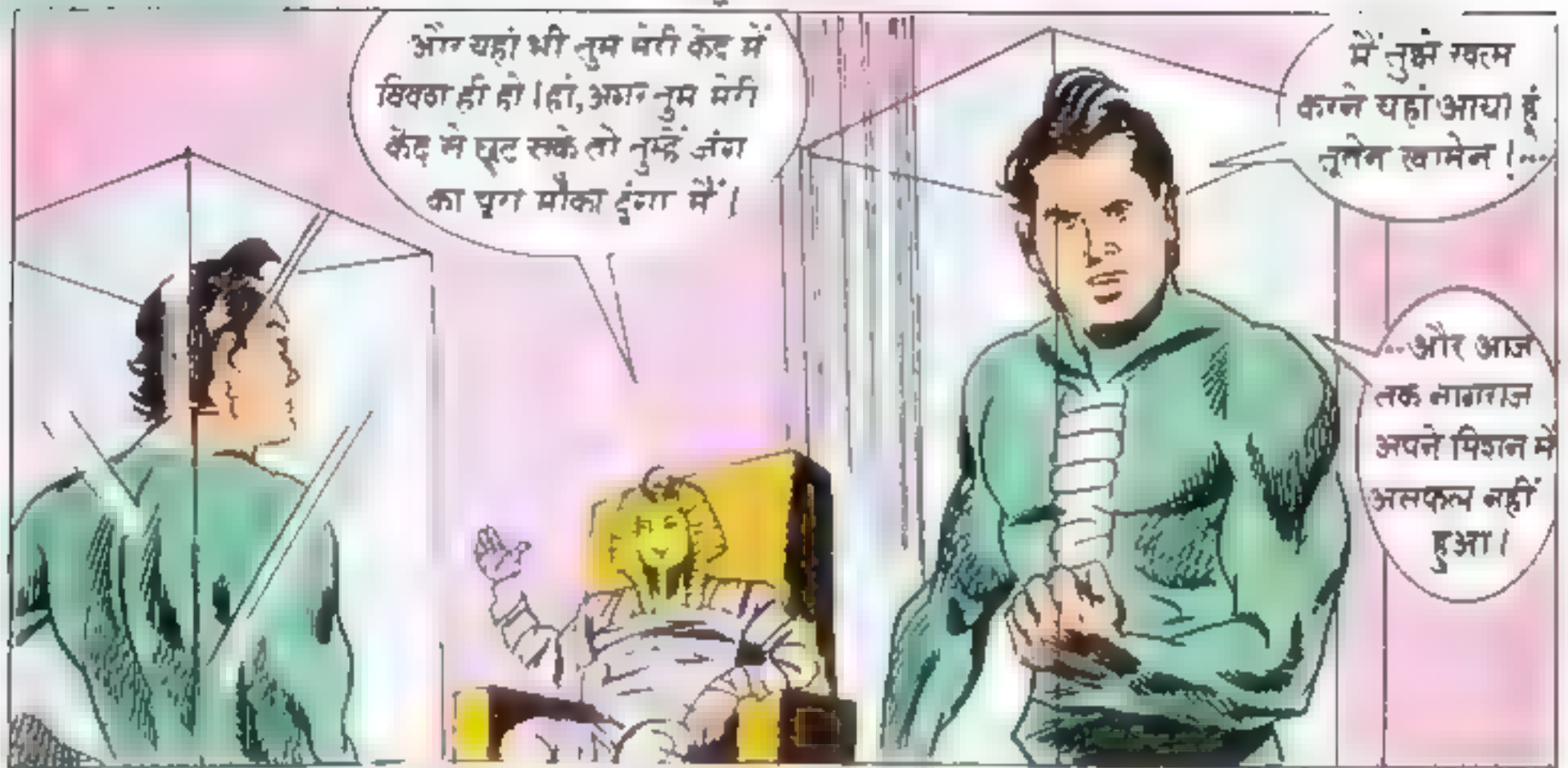
शेंट तुनेन खामेन के  
दरबार में तुम्हारा स्वागत  
है नागराज!

इतना  
तुनेन खामेन

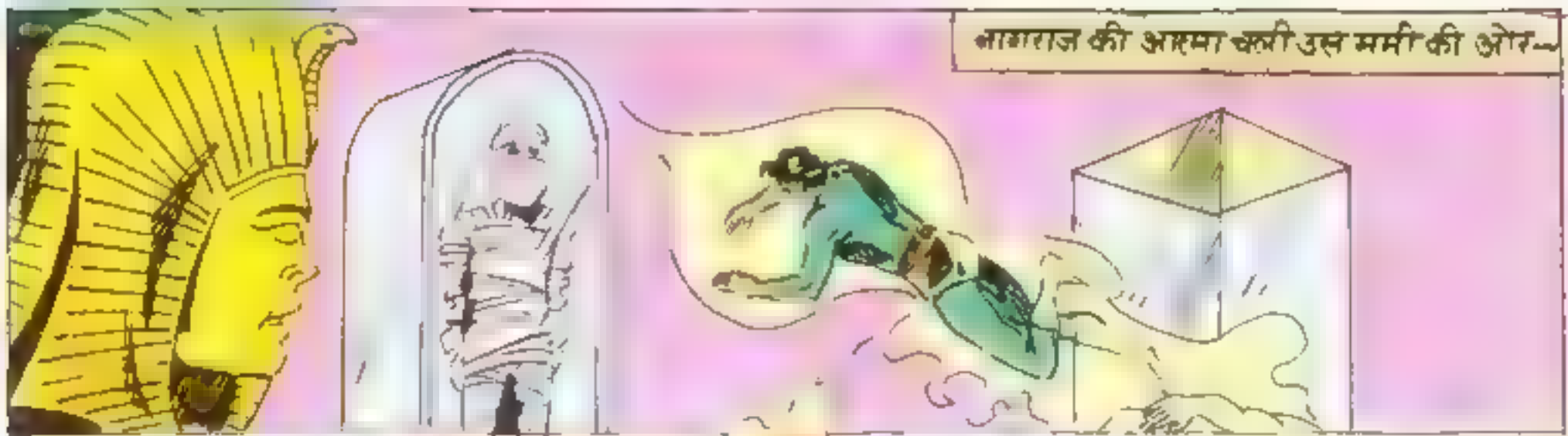
मकली सर सैबर्ट की नीलामी  
में भी तुम विवश थे नागराज!  
इसलिए तुनेन खामेन तुमसे  
नहीं रुड़ा था।

\* यह सब जानने के लिए पढ़ें 'नागराज'  
और 'दोना डोलान' और 'ताजमहल की चोरी'









नागराज की आत्मा चली उस ममी की ओर—

नूतन स्वामिन के चेहरे पर  
मंडरा रही थी कामयाबी  
की जबरवस्त खुशी —

हाँक इसी पल नागराज  
भयंकर विष-कुंठों —

सैकड़ों विषधनों का  
भयंकर विष! ममी  
कांच सहित मोम की  
तरह पिघली —

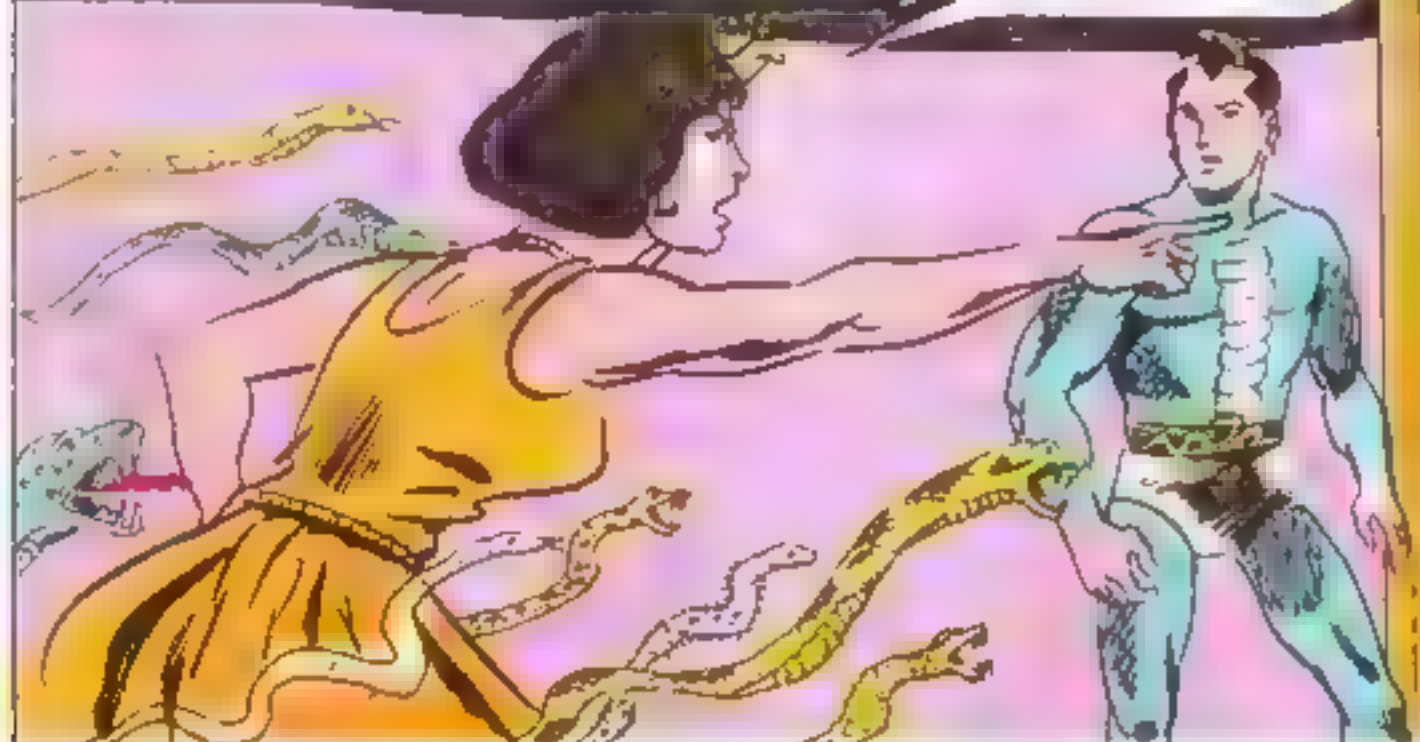
आदू दूटा और नागराज की आत्मा  
तेजी से समा गई वापस नागराज  
के जिम्मे में —

नागराज! ममी के मर  
मे अब नुस्खारी शक्तिधों का  
इम्तेयान ग्रह नूतन स्वामिन  
करेगा।



अब कुछ हुआ पलक झपकने ही, नजर आई सौंदर्यी,  
मिगमिहों में काम का रहे सैकड़ों सगै क साथ।

नागराज! गलम  
का दो डम डोनान को।



नागराज शीशों का केबिन तोड़कर  
बाहर आ चुका था।







नागराज की पत्थर को भी पिघला देने वाली भयंकर विषकुंवार —

तुम हर बार बच निकले  
नागराज के हाथों! अब नहीं  
बचोगे।

बस नागराज! तुम्हें मेरी  
सेना का नायक बनना है। तुम्हारे  
हाथों! अपनी ही सेना का  
वध और नहीं होने दूंगा।

तूतेन-खामेन का हाथ  
बड़ा अपने मुखौटे की  
ओर, तभी चीख पड़ी  
सौदागी —

इसकी  
शक्ति का राज  
पड़ी मुखौटा  
है नागराज!

नागराज की सर्व सेना एक झपकते ही ले उड़ी तूतेन का  
मुखौटा —

ग्रेट तूतेन खामेन का सिंहासन उठा हवा में —

नागराज ने जम्प ली! हाथ आधा तूतेन खामेन के जिस्म पर  
स्विपटी पड़ती का एक कोना —

तुझे फरार  
नहीं होने दूंगा  
तूतेन खामेन!





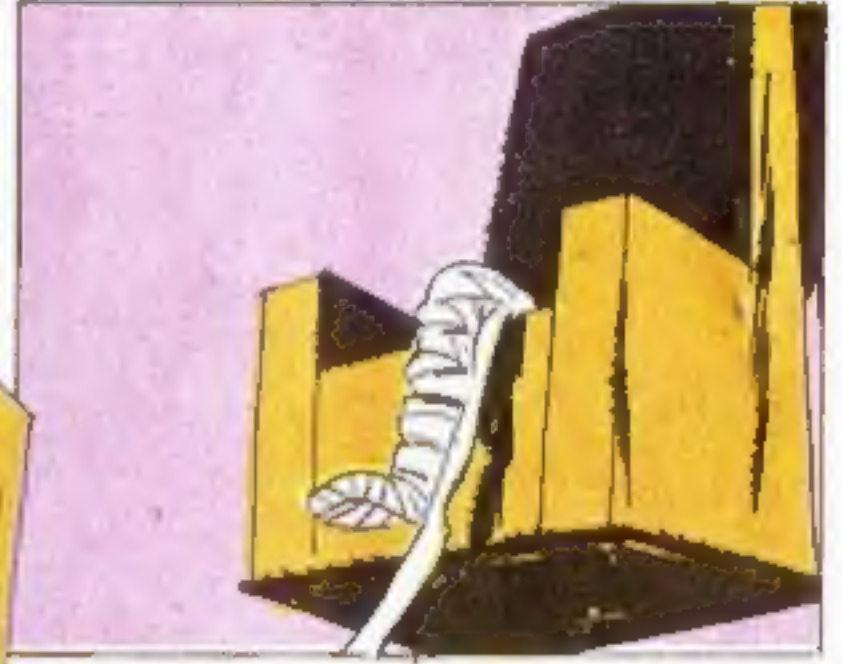
नागराज उधलकर वापस फर्जी पर गिरा। लेकिन —

इसके जिस्म पर लिपटी इस फर्जी के नीचे क्या है?



नागराज तूतेन स्वामेन की बाखियां उधेड़ता चला गया।

जादू का शहंशाह ही तो निकला तूतेन - स्वामेन —





नागराज और सौडांगी भी चमत्कृत में खड़े थे—

पिरामिडों में निकलना  
कहा हो राजा! क्या  
सच ही है?

क्या मैं  
सच ही उसे खत्म  
कर सका हूँ!



फिर ज्वालक ही गायब हो  
गया सिंहासन —



और वह मुखौटा...

...जिसे सर्व सेना ले  
उड़ी थी।

उधर पिरामिड के ही नीचे किसी विडाल गुफा  
में कैद किए गए आतिश चमत्कारिक दंग से  
आजाद हो गए —



भागो  
यहां से निकलो!

मैं तो अब  
अपराध करना ही  
छोड़ दूंगा। मौत के मुंह  
से निकलना है नागराज  
ने हमें।

इधर नागराज —

नागराज!  
अगर मैं भी महा  
कं लिए तुम्हारे जिस्म  
में निवास करूँ तो?



शुक्रिया  
नागराज!



तुझे बहुत खुशी  
होगी सौडांगी!

और सौडांगी के रूप में नागराज की मिली पिरामिडों की रानी! जो  
अब नागराज के सफर में उसके साथ थी।

समाप्त